कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, डोंगरगांव , जिला– राजनांदगाव (छ.ग.)

वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2017–18

भूगोल विभाग

भौगोलिक भ्रमण – सरोदा बांध एवं भोरमदेव

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के भूगोल विषय में स्नातक स्तर पर बी.ए. 1,2 व 3 की कक्षाएं संचालित हैं। जिसमें कुल 272 छात्र/छात्राएं अध्ययनरत है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिषा निर्देषन में एवं भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री चन्दु राम वर्मा के नेतृत्व में शैक्षणिक सत्र 2017–18 में दिनॉक 28/12/2017 को बी.ए. भाग 3 के भूगोल विषय के भौगोलिक भ्रमण हेतु 87 छात्र/छात्राओ ने सरोदा बांध व भोरमदेव का भौगोलिक भ्रमण किया।

सरोदा बांध डोंगरगांव से 142 किमी. दूर कवर्धा जिला में स्थित है। छात्र/छात्राओं द्वारा सरोदा बांध का भ्रमण कर सरोदा बांध से संबंधित जानकारी हासिल किया गया, जिसमें सरोदा बांध की निर्माण वर्ष ,जलाष्य का क्षेत्रफल,सिंचाई क्षमता, बांध की लम्बाई, सिंचित क्षेत्रफल आदि की जानकारी हासिल किया गया। इस बांध के बनने से होने वाले प्राकृतिक लाभो व मानव पर पढ़ने वाले प्रभाव के बारे में अवलोकन किया गया।

प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भी. अं.
स्नातकोत्तर महा. डोंगरगाँव

भोरमदेव डोंगरगांव से 154 किमी. दूर कवर्धा जिला में चौरागांव में एक हजार वर्ष पुराना एक ऐतिहासिक स्थल है। मंदिर के चारो ओर मैकल पर्वतसमूह है जिनके मध्य हरी भरी घाटी में यह मंदिर है। मंदिर के सामने एक सुंदर तालाब भी है। इस मंदिर की बनावट खजुराहो तथा कोणार्क के मंदिर के समान है जिसके कारण लोग इस मंदिर को छतीसगढ का खजुराहो भी कहते हैं। यह मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है। इस मंदिर को 11वीं शताब्दी में नागवंशी राजा देवराय ने बनवाया था। ऐसा कहा जाता है कि गोड राजाओं के देवता भोरमदेव थे जो कि शिवजी का ही एक नाम है जिसके कारण इस मंदिर का नाम भोरमदेव पडा। यह भौगोलिक भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्ग निर्देषन में विभागाध्यक्ष चन्दु राम वर्मा के मार्गदर्षन में किया गया। इस भ्रमण कार्य विषेष रूप से क्रिडा प्रभारी श्री ए.के. चौधरी व प्राध्यापिका कु. आषा वर्मा, कु. नम्रता देवांगन का योगदान रहा।

विभागाध्यक्ष
चंदू राम वर्मा

प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भी. अं.
स्नातकोत्तर महा. डोंगरगाँव

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, डोंगरगांव, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

भौगोलिक भ्रमण

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बडेकर महाविद्यालय में दिनांक 02/12/2018 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.एन. मेश्राम के दिशा निर्देशन में व भुगोल विभाग के अतिथि प्राध्यापक चन्दुराम वर्मा समाशास्त्र विभाग के सहा. प्राध्यापक गणेश नेताम व पायल जैन, वर्षा निषाद के मार्गदर्शन में बी.ए. भाग 3 के छात्र/छात्राओं को सिरपुर का भौगोलिक भ्रमण कराया गया।

सिरपुर महानदी के तट पर महासमुद जिले में उत्तर पश्चिम में स्थिति है। जिसका प्राचीन नाम श्रीपुर है जिसका निर्माण सोमवंसी नरेसो ने कराया था, यह राम व लक्षमण मंदिर एवं बौद्ध इस्तुप स्थिति है। जिसका छात्र/छात्राओं ने अवलोकन किया साथ ही साथ सिरपुर की भौगोलिक स्थिति अवस्थिति, जलवायु, मिट्टी, सामाजिक व अर्थिक तत्वों के आधार पर क्षेत्र का अवलोकन व उधेशयों के आधार पर अवलोकन छात्रों द्वारा किया गया।

प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भी. अं.
स्नातकोत्तर महा. डोंगरगाँव

वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2019–20

भूगोल विभाग

प्रस्तुतिः– चन्दु राम वर्मा, स्ववित्तिय प्राध्यापक (भूगोल)

भूगोल विभाग में सत्र 2019–20 में बी.ए. में कुल 176 विद्यार्थी अध्ययनरत है। स्नातक स्तर पर बी.ए. प्रथम में 64 छात्र/छात्राएं , द्वितीय वर्ष में 51 छात्र/छात्राए व अंतिम वर्ष में 61 छात्र/छात्राए अध्ययनरत है। सत्र 2018–19 में बी.ए. प्रथम में 95 प्रतिशत द्वितिय में 98 प्रतिशत व अंतिम में 100 प्रतिशत छात्र/छात्राए उत्तीर्ण हुए।

शैक्षणिक भ्रमणः– शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.बी.एन. मेश्राम के मार्गनिर्देशन में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री चन्दु राम वर्मा के नेतृत्व में शैक्षणिक सत्र 2019–20 में दिनॉक 16/12/2019 को बी.ए. भाग 3 के भूगोल विषय के भौगोलिक भ्रमण हेतु 31 छात्र/छात्राओ ने सांकर दाहरा का भौगोलिक भ्रमण किया।

प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भी. अं.
स्नातकोत्तर महा. डोंगरगाँव

विभागाध्यक्ष
चन्दु राम वर्मा

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव , जिला– राजनांदगाव (छ.ग.)

प्रतिवेदन सत्र 2019–20

भूगोल विभाग

भौगोलिक भ्रमण – सांकर दाहरा

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के भूगोल विषय में स्नातक स्तर पर बी.ए. 1,2 व 3 की कक्षाएं संचालित हैं। जिसमें कुल 176 छात्र/छात्राएं अध्ययनरत है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.बी.एन. मेश्राम के मार्गनिर्देशन में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री चन्दु राम वर्मा के नेतृत्व में शैक्षणिक सत्र 2019–20 में दिनॉक 16/12/2019 को बी.ए. भाग 3 के भूगोल विषय के भौगोलिक भ्रमण हेतु 31 छात्र/छात्राओ ने सांकर दाहरा का भौगोलिक भ्रमण किया।

सांकरदाहरा राजनांदगांव जिले के दक्षिण–पश्चिम में डोंगरगांव से 7 किमी. दूरी पर शिवनाथ नदी के तट पर स्थित है। छात्र/छात्राओं ने सांकराहरा के विस्तार , स्थिति , निर्माण के कारणो, अवधि व सांकरदाहरा के स्थानीय महत्व के बारे में अवलोकन किया । साथ ही साथ छात्र/छात्राओं ने जाना कि सांकरदाहरा अस्थि विर्सजन के लिए राजिम की तरह स्थानीय महत्व रखता है, यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के आस–पास के जिले से अस्थि विर्सजन करने आते है।

अम्बेडकर कालेज में भूगोल विभाग का भौगोलिक भ्रमण

नवभारत ब्यूरो | डोंगरगांव,
www.navbharat.org

स्थानीय शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव के प्राचार्य डॉ.बी.एन.मेश्राम के मार्गनिर्देशन में 16 दिसम्बर को भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष अतिथि शिक्षक चंदुलाल वर्मा के निर्देशन में बी.ए.भाग अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं को सांकरदाहरा का भौगोलिक भ्रमण कराया गया.

सांकरदाहरा राजनांदगांव जिले के दक्षिण पश्चिम में डोंगरगांव से 7 किमी दूरी पर शिवनाथ नदी पर स्थित है. छात्र/छात्राओं ने सांकरदाहरा के विस्तार, स्थिति, निर्माण के कारण, अवधि व सांकरदाहरा के स्थानीय महत्व का अवलोकन किया. साथ ही साथ छात्र/छात्राओं ने जाना कि सांकरदाहरा अस्थि विर्सजन के लिए राजिम की तरह स्थानीय महत्व रखता है. यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के आसपास के जिले से अस्थि विर्सजन करने आते हैं.

विभागाध्यक्ष
चंदू राम वर्मा

प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भी. अं.
स्नातकोत्तर महा. डोंगरगाँव

1. व्यक्ति का नाम – केजूलाल रामटेके

2. व्यक्ति की आयु/उम्र. – 77 वर्ष

3. जाति – अ.जा. [✓] अ.ज.जा. [ ] अ.पि.वर्ग [ ] सामान्य वर्ग [ ]

4. शैक्षिणिक योग्यता – अशिक्षित [ ] प्राथमिक [✓] माध्यमिक [ ] हाई स्कूल [ ]

स्नातक [ ] स्नातकोत्तर [ ]

5. परिवार का व्यवसाय – कृषि [✓] मजदूरी [ ] व्यापार [ ] सेवाक्षेत्र अन्य [ ]

6. परिवार का स्वरूप – एकोकी [ ] संयुक्त [✓]

7. परिवार के सदस्यो का विवरण

क.	नाम	लिंग	आयु	विवाहित/अविवाहित	शिक्षा	व्यवसाय
(1)	केजूलाल रामटेके	पुरुष	77	विवाहित	5वी	कृषि
(2)	गिरजा बाई रामटेके	महिला	70	—"—	अशिक्षित	—"—

8. शिक्षित कार्यरत परिवार के सदस्यो की संख्या – स्त्री [ ] पुरुष [1] कुल [1]

9. व्यवसाय में कार्यरत सदस्यो की संख्या – स्त्री [1] पुरुष [1] कुल [2]

10. क्या आप कृषि कार्य भी करते है ? हाँ [✓] नही [ ]

11. यदि हाँ तो कितनी भूमि है ? 4 एकड़

12. क्या कृषि कार्य के लिए सिचाई की व्यवस्था है ? हाँ [ ] नही [✓]

13. कृषि कार्य से प्राप्त आय कितनी है ? 70,000

14. कृषि कार्य में कार्यरत स्त्री, पुरुष की संख्या – स्त्री [ ] पुरुष [✓]

15. इस कार्य से कितनी आय होती है ? 70,000

~~16.~~ जो व्यवसाय आपका है? आप कब से कर रहे है ?

~~17.~~ आपके द्वारा कौन – कौन सी वस्तु बनाई जाती है।

~~18.~~ आप के अन्य साधन उपलब्ध है ? हाँ [ ] नही [ ]

ईश्वर कुमार साहू
कक्षा = B.A. III
Geography

19. हॉ तो कौन से साधन उपलब्ध है ? नही

20. मासिक आय कितनी है –

1000 से कम ☑ 2000–4000 ☐

4000 – 6000 ☐ 6000–8000 ☐ 8000 से अधिक ☐

21. वार्षिक आय 20,000

22. क्या आप बचत करते है? हॉ ☑ नही ☐

23. यदि हॉ तो प्रतिमाह बचत की राशि 2,000

24. बचत जमा कहा करते है ? बैंक में

क.	जमा	बचत की राशि		
		प्रतिदिन	प्रति सप्ताह	प्रतिमाह
1.	स्वयं के पास			
2.	स्वयं के पास			
3.	बैंक में ✓			✓
4.	डाक घर में			

25. बीमा हुआ है हॉ ☐ नही ☑

26. व्यय का विवरण –

क.	मद	रू
1.	खान – पान	1,000
2.	शिक्षापर	नही
3.	मकान किराये पर	—''—
4.	परिवहन पर	—''—
5.	विद्युत पर	300
6.	चिकित्सा पर	500
7.	ऋण देना	नही
8.	अन्य	2.00

27. व्यवसाय का प्रशिक्षण लिया है ? हॉ ☐ नही ☐

28. यदि हॉ तो कहॉ से ....

29. किस योजना के तहत प्रशिक्षण हुआ है ?

भूगोल विभाग
B.A.III

आल्हा राम भुआर्य

आज दिनांक 13.01.2017 को शास.डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव व राजनांदगांव भूगोल विभाग अध्यक्ष श्रीमती खेनुबाला के नेतृत्व में ग्राम पंचायत दर्री का शैक्षणिक आर्थिक सर्वे प्रत्येक परिवार का किया गया । B.A.III के छात्र छात्राओं के द्वारा किया गया है।

भौगोलिक स्थिति–

ग्राम पंचायत दर्री का भौगोलिक स्थिति डोंगरगांव से लगभग 5 किमी की दूरी में स्थित है वहां की जनसंख्या 638 है और कुल परिवार 90 है।

धरातलीय बनावट का स्वरूप – वहां की धरातलीय बनावट नदियों के मैदान के साथ–साथ पठारी भाग भी स्थित है।

शिवनाथ नदी –

शिवनाथ नदी के समीप ग्राम पंचायत दर्री स्थित है ग्राम दर्री के निवासी शिवनाथ नदी से कृषि कार्य के लिए जल की सिंचाई की जाती है।

वन विभाग –

वनविभाग में अनेक प्रकार के वृक्ष है। जैसे– ऑवला, साल, सागौन, बॉस, नीम इत्यादि।

भौगोलिक भ्रमण –

ग्राम पंचायत दर्री के समीप ब्रम्हाचार्य लक्ष्मीनारायण मंदिर स्थित है। वह अनेक प्रकार की देवी देवता स्थापित किया गया है। वहां की धार्मिक स्थल क बहुत मान्यता है तथा देखने में बहुत उत्कृष्ट है।

000

भूगोल विभाग, भोरमदेव सरोदा जलाशय

भौगोलिक भ्रमण

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव

चम्पा जोगी
बी.ए. तृतीय वर्ष

दिनांक **28/12/2017** को शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विद्यालय डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री सी.आर. के नेतृत्व में सरोधा बांध व भोरमदेव का भौगोलिक भ्रमण किया गया जिसमें बी. तृतीय वर्ष के **87** छात्र-छात्राएँ सम्मिलित थे ।

➢ परिचय :-

मानव की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ भोजन, वस्त्र, आवास, है । इनमें ास तीसरी महत्त्वूर्ण आवश्यकता है ।

मानव का विकास प्राचीन काल से होता आ रहा है । मानव के विकास के म को हम ऐतिहासिक धरोहर से पहचान और जान सकते है । विश्व भारत के ो अनेक स्थान है । जो हमें मानव के विकास का संस्कृतिक का परिचय होता है । नमें से एक भोरमदेव है, जहां पर हम भोरमदेव के ऐतिहासिक स्थल स्थिति एवं थति स्तर जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे ।

➢भौगोलिक भ्रमण :-

भौगोलिक दृष्टि से इसका विस्तार 21.52 से 22.15 पूर्व देशांतर इसके स क्षेत्र में भ्रमण के दौरान यह है । भोरमदेव डोंगरगांव से 152 किलोमीटर की प्र है। यह 80.53 से 81.10 अक्षांस के मध्य है ।

इस अभयारस का नाम सुविख्यात भोरमदेव मंदिर के नाम से रखा गया है। का निर्माण 11वीं सदी में नागवंशी राजा गोपालदेव द्वारा कराया गया है। इसे ान में "छत्तीसगढ़ का खजुराहो" के नाम से जाना जाता है। इस अभ्यारण का न 2001 में किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 16380 वर्ग कि.मी. है। भ्रमण के न पहाड़ी एवं दुर्गम रास्तों में विभिन्न गुफाओं एवं मनोहारी प्राकृतिक दृश्य का द लिया ।

➢सरोदा बांध :-

यह सरोदा जलाशय नवगठित राज्य के कवर्धा जिले के एक महत्वपूर्ण टन के आकर्षण का केन्द्र है । सरोदा जलाशय कवर्धा में सबसे दिलचस्प और कर्षण है ।

➢सरोदा बांध :-

यह सरोदा जलाशय नवगठित राज्य के कवर्धा जिले के एक महत्वपूर्ण टन के आकर्षण का केन्द्र है । सरोदा जलाशय कवर्धा में सबसे दिलचस्प और कर्षण है ।

➢सरोदा बांध का प्राकृतिक एवं मानवीय महत्व :-

यह सरोदा बांध देखने लायक है। यहॉ सूर्यास्त के शानदार दृश्य के साथ रोदा जलाशय का दृश्य देखने लायक रहता है, और यह सरकार की देखरेख में ाकर्षण का एक केन्द्र है । यहॉ आप विभिन्न गतिविधियों का दृश्य सरोदा जलाशय

स-पास देख सकते है एवं आनंद उठा सकते है । सरोदा जलाशय कवर्धा शहर किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

➢भोरमदेव :-

कवर्धा से 18 किलीमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित 11वीं सदी का चंदेल शैली ना भोरमदेव मंदिर अपने उत्कृष्ट शिल्प व मान्यता की दृष्टि से इसे छत्तीसगढ़ खजुराहो कहॉ जाता है । यह सर्वाधिक पुराने मंदिरो में से एक है ।

➢ भू-सरंचना का उपयोग :-

भोरमदेव अभ्यारण्य मैकल पर्वत श्रृंखला में समुद्र सतह से लगभग 600 र से 854 मीटर की ऊंचाई में स्थित है। इसमें मुख्यतः शाल तथा मिश्रित प्रजाति वन है । कतिपय स्थानों पर सागौन के प्राकृतिक वन भी पाये जाते है। यह ारण विश्व विख्यात कान्हा टाइगर रिजर्व एवं चिल्फी बफर जोन के साथ जुड़ी । के कारण और महत्वपूर्ण है।

➢भवन का निर्माण सामग्री :-

यहॉ विभिन्न प्रकार के सामग्री का उपयोग भवन निर्माण में किया जाता है। । भारत में कच्ची ईटो से मकान बनाने की परम्परा है । यह बहुत से प्राकृतिक ार्थ (मिट्टी, बालू, लकड़ी, चट्टाने) आदि निर्माण के लिए प्रयुक्त होते रहे है । नके अलावा अब अनेक प्रकार के कृत्रिम या मानव निर्मित पदार्थ भी निर्माण के ए प्रयोग किये पाने लगे है। जैसे :- सीमेंट, इस्पात, एल्युमिनियम आदि ।

➢रख-रखाव का स्तर :-

यहॉ भोरमदेव का रख-रखाव का स्तर वनमंडल के अधिकारी के देखरेख किया जाता है, और आस-पास के क्षेत्रों का प्रयोग किया जाता है । यहॉ ाफ-सफाई किया जाता है । यहॉ कई सारी मंदिर है । भोरमदेव शिव मंदिर के नाम । प्रसिद्ध है।

➢ पर्यटन की व्यवस्था :-

अभ्यारण्य में पर्यटकों के लिए ट्रैकिंग रूट बनाया गया है। यहॉ भंवरटेक एवं दूरी के समीप सकरी नदी पर झरना (जल प्रपात) आकर्षण का

भोरमदेव अभ्यारण्य जैव-विविधता एवं वन्य प्राणी पर्यटन के लिए विख्यात ा पर्यटक स्थल के रूप में विकसित है । यहॉ रूकने के लिए रेस्ट हाऊस, ादि होते है । यहॉ 1 किलोमीटर की दूरी पर छेरकी महल भी स्थित है ।

➢ निष्कर्ष :-

हॉ भोरमदेव छत्तीसगढ़ के कला, तीर्थ के रूप में विख्यात भोरमदेव मंदिर है ।

यह छत्तीसगढ़ खजुराहो भोरमदेव मंदिर मैकल पर्वतीय क्षेत्रो में स्थित यह तथा पुरातन मंदिर 8-11 वीं सदी के बीच बना है । प्राचीन इतिहास की गौरव परम्परा को प्रदर्शित करता हुआ कवर्धा रियासत राजमहल आज भी यह अपनी ा को संजोया हुआ है ।